K–108

Total Page No. : 4] **[Roll No. .....**

BASL-302

B.A. IIIrd Year Examination Dec., 2023

वेद एवं उपनिषद

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. निमनलिखित मन्त्रों में से किन्हीं **तीन** मन्त्रों का भावार्थ लिखिए :

(क) राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिवम्।

बर्धमानं स्वे दमे:॥

(ख) न मा मिमेथ न जिहील एषा,

शिवा सखिभ्य उत मह् यमासीत्।

अक्षस्याहमेकपरस्य देतो–

रनुव्रतामप जायामरोध॥

(ग) प्र विष्णवे शूषमेतु मन्म गिरिक्षते उरूगायाय विष्णे।

य इदं दीर्घं प्रयतं सधस्तमेको विममे त्रिभिरित्पदेभिः॥

(घ) स नः पितेव सूनवेऽग्ने सूपायनो भव।

सचस्वाः नः स्वस्तये॥

(ङ.) यज्जाग्रतो दूरमुदैति दैवं तदुसुपतस्य तथैवेति।

दूरंगमं ज्योतिषां ज्योतिरेकं तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** मन्त्रों का हिन्दी में भावार्थ लिखिए :

(क) अजीर्यतामृतानामुपेत्य

जीर्यन्मर्त्यः क्वधःस्थः प्रजानन्।

अभिध्यायन्वर्णरतिप्रमोदा–

नतिदीर्घे जीविते को रमेत॥

(ख) श्रेयश्र प्रेयश्र मनुष्यमेत–

श्रेयो हिऽभि प्रेयसो वृणीते

प्रेयो मन्दो योगक्षेमादवृणीत॥

(ग) ऋतं पिबन्तौ सुकृतस्य लोके

गुहां प्रविष्टौ परमे परार्धे।

पञ्चाग्नयो ये च त्रिणाचिकेताः॥

(घ) वायुयथैको भुवनं प्रविष्ठौ

रूपं रूपं प्रतिरूपो बभूवो।

एकस्था सर्वभूतान्तरात्मा

रूपं रूपं प्रतिरूपो बहिश्र॥

3. वेदांगों का परिचय देते हुए, उनमें प्रयुक्त वर्ण्यविषय की विशेषता एवं महत्व बताएं।

अथवा

ऋग्वेदकालीन धर्म, संस्कृति एवं समाज की विशेषताओं का विस्तृत वर्णन कीजिये।

4. वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अंतर समझाए। प्रमुख वैदिक भाष्य तथा भाष्यकारों का परिचय दीजिए।

अथवा

आरण्यकों का अर्थ परिचय एवं वर्ण्यविषय का प्रतिपादन करते हुए, ऋग्वैदिक आरण्यकों का परिचय दीजिये।

5. उपनिषद का अर्थ एवं महत्ता को प्रतिपादित करते हुए, यजुर्वेद के प्रमुख उपनिषदों को परिचय एवं महत्व बताइए।

6. बृहदारण्यक उपनिषद् की विशेषताओं को समझाते हुए, उसके दार्शनिक महत्व की समीक्षा कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. उपनिषदों में प्राप्त कर्म के सिद्धांत को समझाइए।
2. कठोपनिषद के दार्शनिक तत्व का प्रतिपादन कीजिये।
3. ऋग्वेदकालीन देवाताओं का स्वरूप एवं विशेषता लिखिए।
4. सायण की भाष्य शैली की प्रमुख विशेषताओं का वर्णान कीजिये।
5. ऋग्वेद कालीन शिक्षा पद्धति का परिचय देते हुए, उसकी प्रमुख विशेषता लिखिए।
6. यजुर्वेद की शाखाओं का वर्णन कीजिये।
7. यम नचिकेता संवाद क दार्शनिक दृष्टि से समीक्षा कीजिए।
8. सामवेद की शाखाओं का वर्णन कीजिये।

****